सत्यमेव जयते

सप्तदश

बिहार विधान सभा

पंचदश सत्र

अल्पसूचित प्रश्न

वर्ग-3

बुधवार, तिथि $\frac{\text{01 श्रावण, 1947 (श०)}}{\text{23 जुलाई, 2025 (ई०)}}$

प्रश्नों की कुल संख्या 02

(1)	जल संसाधन विभाग - -	02
	कुल योग --	02

सिंचाई सुविधा प्रदान कराना

4. श्री मुकेश कुमार यादव (क्षेत्र संख्या-27 बाजपट्टी)--दिनांक 19 जून, 2025 को स्थानीय दैनिक समाचार-पत्र में प्रकाशित शीर्षक ''नदियों के सूखने से 8 बड़ी सिंचाई परियोजनाएँ भी पानी को तरसी'' के आलोक में क्या मंत्री, जल संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि राज्य की पंचाने, उत्तरी कोयल इत्यादि नदियों के सूखने के कारण प्रदेश की आठ बड़ी सिंचाई परियोजनाएँ, 26 नहर प्रणालियाँ एवं 725 किलो मीटर नहर जलाभाव की स्थिति में पहुँच चुकी है ;

(2) क्या यह बात सही है कि मोतिहारी, नालन्दा, नवादा, शेखपुरा, जहानाबाद, गयाजी, औरंगाबाद जिलों एवं पंचाने, पैमार, सकरी, उदेरास्थान, लीलाजन, अपर और लोअर, मोहर, बटाने, उत्तर कोयल परियोजनाओं में जल की अनुपलब्धता के कारण फसलों की सिंचाई नहीं हो पा रही है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त परियोजनाओं को सुचारू रूप से संचालित कराने, किसानों को सिंचाई सुविधा प्रदान कराने एवं जल संकट से निजात दिलाने हेतु कौन-सी कार्रवाई कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

योजनाओं को पूर्ण नहीं करने का औचित्य

5. श्री विजय कुमार सिंह उर्फ डब्लू सिंह (क्षेत्र संख्या-221 नबीनगर)--स्थानीय दैनिक समाचार-पत्र के दिनांक 1 मई, 2025 के अंक में प्रकाशित शीर्षक ''बाढ़ अवधि शुरू, 25 प्रतिशत निरोधात्मक कार्य अब भी अधूरे'' के आलोक में क्या मंत्री, जल संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि विभाग द्वारा राज्य में इस वर्ष 394 बाढ़ निरोधी योजनाओं की स्वीकृति दी गई थी जिन्हें 15 जून, 2025 तक पूरा करना था ;

(2) क्या यह बात सही है कि अभीतक 300 हीं ऐसी योजनाओं का कार्य पूर्ण हो पाया है एवं शेष योजनायें अपूर्ण हैं ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो विभाग द्वारा निर्धारित समय-सीमा में शेष सभी योजनाओं के पूर्ण नहीं होने का क्या औचित्य है ?

पटना :
दिनांक 23 जुलाई, 2025 (ई0) ।

ख्याति सिंह,
प्रभारी सचिव,
बिहार विधान सभा ।

बि0स0मु0, 17(एल0ए0), 2025-26-डी0टी0पी0-600

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,
बिहार, पटना द्वारा मुद्रित
2025